



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2020

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

100 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 6 pages. Please check that your question paper is complete.
 2. Read the instructions to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your Answer Book.
 6. It is in your own interest to write legibly and to present your work neatly.
-

भाग प्रश्न एक स्वामी विवेकानंद

प्रस्तावना

एक समान्य परिवार में जन्म लेने वाले नरेंद्रनाथ ने अपने ज्ञान तथा तेज के बल पर विवेकानंद बने। अपने कार्यों द्वारा उन्होंने विश्व भर में भारत का नाम रोशन करने का कार्य किया। यही कारण है कि वह आज के समय में भी लोगो के प्रेरणास्त्रोत हैं।

भारत के महापुरुष – स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में मकर संक्रांति के त्योहार के अवसर पर, परंपरागत कायस्थ बंगाली परिवार में हुआ था। स्वामी विवेकानंद का बचपन का नाम नरेन्द्रनाथ दत्त (नरेन्द्र या नरेन भी कहा जाता था) था। वह अपने माता-पिता (पिता विश्वनाथ दत्त कलकत्ता उच्च न्यायालय में वकील थे और माता भुवनेश्वरी देवी धार्मिक महिला थी) के 9 बच्चों में से एक थे। वह पिता के तर्कसंगत मन और माता के धार्मिक स्वभाव वाले वातावरण के अन्तर्गत सबसे प्रभावी व्यक्तित्व में विकसित हुए।

वह बाल्यकाल से ही आध्यात्मिक व्यक्ति थे और हिन्दू भगवान की मूर्तियों (भगवान शिव, हनुमान आदि) के सामने ध्यान किया करते थे। वह अपने समय के घूमने वाले सन्यासियों और भिक्षुओं से प्रभावित थे। वह बचपन में बहुत शरारती थे और अपने माता-पिता के नियंत्रण से बाहर थे। वह अपनी माता के द्वारा भूत कहे जाते थे, उनके एक कथन के अनुसार, “मैंने भगवान शिव से एक पुत्र के लिए प्रार्थना की थी और उन्होंने मुझे अपने भूतों में से एक भेज दिया।”

उन्हें 1871 (जब वह 8 साल के थे) में अध्ययन के लिए चंद्र विद्यासागर महानगर संस्था और 1879 में प्रेसीडेंसी कॉलेज में दाखिल कराया गया। वह सामाजिक विज्ञान, दर्शन, इतिहास, धर्म, कला और साहित्य जैसे विषयों में बहुत अच्छे थे। उन्होंने पश्चिमी तर्क, यूरोपीय इतिहास, पश्चिमी दर्शन, संस्कृत शास्त्रों और बंगाली साहित्य का अध्ययन किया।

स्वामी विवेकानंद के विचार

वह बहुत धार्मिक व्यक्ति थे हिन्दू शास्त्रों (वेद, रामायण, भगवत गीता, महाभारत, उपनिषद, पुराण आदि) में रुचि रखते थे। वह भारतीय शास्त्रीय संगीत, खेल, शारीरिक व्यायाम और अन्य क्रियाओं में भी रुचि रखते थे। उन्हें विलियम हैस्टे (महासभा संस्था के प्राचार्य) के द्वारा "नरेंद्र वास्तव में एक प्रतिभाशाली हैं" कहा गया था।

वह हिंदू धर्म के प्रति बहुत उत्साहित थे और हिन्दू धर्म के बारे में देश के अन्दर और बाहर दोनों जगह लोगों के बीच में नई सोच का निर्माण करने में सफल हुए। वह पश्चिम में ध्यान, योग, और आत्म-सुधार के अन्य भारतीय आध्यात्मिक रास्तों को बढ़ावा देने में सफल हो गए। वह भारत के लोगों के लिए राष्ट्रवादी आदर्श थे।

उन्होंने राष्ट्रवादी विचारों के माध्यम से कई भारतीय नेताओं का ध्यान आकर्षित किया। भारत की आध्यात्मिक जागृति के लिए श्री अरबिंद ने उनकी प्रशंसा की थी। महान हिंदू सुधारक के रूप में, जिन्होंने हिंदू धर्म को बढ़ावा दिया, महात्मा गाँधी ने भी उनकी प्रशंसा की। उनके विचारों ने लोगों को हिंदू धर्म का सही अर्थ समझाने का कार्य किया और वेदांतों और हिंदू अध्यात्म के प्रति पाश्चात्य जगत के नजरिये को भी बदला।

उनके इन्हीं कार्यों के लिए चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल) ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ही वह व्यक्ति थे, जिन्होंने हिन्दू धर्म तथा भारत को बचाया था। उन्हें सुभाष चन्द्र बोस के द्वारा "आधुनिक भारत के निर्माता" कहा गया था। उनके प्रभावी लेखन ने बहुत से भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ताओं; जैसे- नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बाल गंगाधर तिलक, अरविंद घोष, बाघा जतिन, आदि को प्रेरित किया। ऐसा कहा जाता है कि 4 जुलाई सन् 1902 में उन्होंने बेलूर मठ में तीन घंटे ध्यान साधना करते हुए अपने प्राणों को त्याग दिया।

निष्कर्ष

अपने जीवन में तमाम विपत्तियों के बावजूद भी स्वामी विवेकानंद कभी सत्य के मार्ग से हटे नहीं और अपने जीवन भर लोगो को ज्ञान देने कार्य किया। अपने इन्हीं विचारों से उन्होंने पूरे विश्व को प्रभावित किया तथा भारत और हिंदुत्व का नाम रोशन करने का कार्य किया।

[Source: <www.Hindiduniya.com>]

- १.१ स्वामी विवेकानंद का जन्म लेने वाले नाम क्या था? (२)
- १.२ उनका बचपन काल का वर्ण कीजिए ? (४)
- १.३ स्वामीजी के विचार पर प्रकाश डालिए ? (४)
- १.४ चक्रवर्ती राजगोपालाचारी विवेकानंद के बारे में क्या कहा ? (४)
- १.५ "प्राण त्याग " अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ? (२)
- १.६ "सत्य के मार्ग " अपने शब्दों हिन्दी में समझाइए ? (४)

[२०]

प्रश्न दो

दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखो ।

- २.१ कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए ।
- २.१.१ जंगल _____ (में , पर , से) सभी पशु पक्षी कैसे रहते थे । (२)
- २.१.२ बीरबल _____ (के , को , से) देखकर अकबर को हँसी आ गई । (२)
- २.१.३ दोनों बच्चे बुआ _____ (पर , की , का) बात ऐसे सुन रहे थे । (२)
- २.२ इन शब्दों की स्त्रिलिंग शब्द लिखिए ।
- २.२.१ बकरा (२)
- २.२.२ बैल (२)
- २.३ नीचे लिखे वाक्यों को कम से लिखो ।
- २.३.१ काम करता समय पर अपना मैं हूँ । (२)
- २.३.२ वसुदेव थे श्रीकृष्ण पिता के । (२)
- २.४ इन शब्दों को बहुवचन में लिखिए ।
- २.४.१ कौआ (२)
- २.४.२ मुरगा (२)
- २.५ वाक्य का सही काल लिखिए । कोष्ठक में से उत्तर चुनिए ।
(भूतकाल वर्तमान काल भविष्यत काल)
- २.५.१ आज वर्षा हो रही है । (२)
- २.५.२ इस वर्ष भी पुस्तक प्रदर्शनी लगेगी । (२)
- २.५.३ राम और लक्ष्मण वन को गए । (२)
- २.६ शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए ।
- २.६.१ नगर में रहनेवाला । (२)
- २.६.२ जहाँ पुस्तक रखी हों । (२)

२.७ चित्र वर्णन : निम्न चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।
चित्र वर्णन



[Source: Hindi funny Cartoon Pinterest]

- २.७.१ क्या यह चित्र मज़ाक या गंभीर संदेश के रूप में हैं ? बताओं क्यों (२)
- २.७.२ "मैं पागल हो जाऊँगा" अपने शब्दों में समझाइए? (२)
- २.७.३ इन दोनों की शादी कब हुई ? उत्तर का कारण दीजिए । (४)
- २.७.४ "भरोसा" का अर्थ बताइए ? (२)
- २.७.५ चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ? (२)

[४०]

[६०]

भाग ख**साहित्य****प्रश्न ३ : कविता****३.१ चित्रकार और चित्र**

इस कविता का केन्द्रीय विचार पर अपने शब्दों में समझाइए ? (६)

३.२ राम जन्म

इन चौपाइयों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।
 भय प्रगट कृपाला दीनदयाला कौसल्या हितकारी ।
 हरषित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप विचारी ॥
 लोचन अभिरामा तनु घनस्यामा निज आयुध भुज चारी ।
 भूषण बनमाला नयन बिसाला सोभासिन्धु खरारी ॥ (८)

३.३ बापू के प्रति

निम्नलिखित पंक्तियों को अपने शब्दों में संक्षेप व्याख्या कीजिए ?
 अपने कर्मों का फल हमको । सबको ही पाना होगा । बापू किन्तु
 यहाँ फिर तुझको एक बार आना होगा ॥ (६)

३.४ हमारा प्यारा भारतवर्ष :

क्या इस कविता देशभक्ति के बारे में है । चार वाक्य में उदाहरण के साथ समझाइए । (८)
[२८]

प्रश्न ४ : कहानी

पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

४.१ शिवाजी : शिवाजी का बचपन का वर्णन कीजिए ? (४)

४.२ अर्गल की वीर रानी : अभयचन्द ने रानी पर क्या उपकार किया था ? (४)

४.३ इच्छा शक्ति : क्या देखकर धीरजसिंह के मुँह में पानी भर आया ? (४)
[१२]

[४०]

Total: 100 marks